भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1306

11 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

आरआईएनएल की वित्तीय स्थिति

1306. श्री रामप्रीत मंडल:

श्रीमती लवली आनंद:

श्री दिनेश चंद्र यादव:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) की वर्तमान वित्तीय स्थिति क्या है;

(ख) आरआईएनएल के पुनरुद्धार के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) आरआईएनएल को घाटा होने के प्रमुख कारण क्या है; और

(घ) इस्पात उद्योग के लाभ में होने के बावजूद सरकारी स्वामित्व वाली आरआईएनएल को घाटा होने के क्या कारण हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): वर्ष 2024-25 (अप्रैल-दिसंबर 2024) के दौरान राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) का प्रचालनों से कुल राजस्व ₹12,429.02 करोड़ था। इस अवधि के दौरान आरआईएनएल ने (-) ₹3943.43 करोड़ का घाटा (कर पूर्व लाभ) तथा (-) ₹3664.73 (कर पश्चात लाभ) दर्ज किया।

(ख): भारत सरकार ने आरआईएनएल को एक कार्यशील व्यवसाय के रूप में जारी रखने के उद्देश्य से आरआईएनएल में इक्विटी पूंजी के रूप में ₹10,300.00 करोड़ के निवेश (सितंबर, 2024 में आपातकालीन निधि के रूप में पहले से उपलब्ध कराए गए ₹500.00 करोड़ सहित) तथा ₹1140.00 करोड़ के कार्यशील पूंजी ऋण के 10 वर्ष के उपरांत मोचनीय 7% असंचयी अधिमानित शेयर पूंजी के रूप में संपरिवर्तन को अनुमोदन प्रदान किया है।

(ग) से (घ): आरआईएनएल के घाटे के प्रमुख कारणों में विस्तारीकरण तथा आधुनिकीकरण योजना के क्रियान्वयन में अपस्ट्रीम तथा डाउनस्ट्रीम क्षमताओं में अंतर, पूंजीगत निवेश घाटे के पुनर्भुगतान, अपेक्षित

कार्यशील पूंजी का सृजन करने की असमर्थता के कारण तरलता के संकट, तकनीकी-आर्थिक प्रदर्शन में गिरावट और स्तर से नीचे के प्रचालनों के कारण क्षमताओं का कम उपयोग शामिल है। इसके अतिरिक्त, आरआईएनएल प्रचलित दरों पर स्वदेशी रुप से लौह अयस्क की खरीद करता है। आरआईएनएल अपनी कोकिंग कोयले की आवश्यकताओं के लिए आयातों पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिर मूल्यों के कारण कोकिंग कोयले की खरीद की लागत उच्च स्तर पर थी। इसके अतिरिक्त, उच्चतर निर्धारित तथा परिवर्ती लागतों के कारण, आरआईएनएल की प्रति टन इस्पात उत्पादन की लागत अन्य समकक्ष इस्पात उत्पादकों से अधिक थी।

****